इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ धुळें.

—: हस्त लिखित ग्रंथ संग्रह :—

ग्रंथ क्रमांक …१४७ (१४५)

ग्रंथ नाम [illegible] अभंग

विषय मराठी काव्य.

" Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

(१)

कोटं बासा गात ॥ घोळवाजउ अनुहात ॥

॥ ज्ञानभंडाराचे पोत ॥ रितनो व्हे कल्पांति ॥ २ ॥

॥ लक्ष चौऱ्यासि घरं च्यारि ॥ खाळ नमाचि केलि

॥ वारि ॥ प्रसंन जाला देव मल्लारी ॥ सोहं भा

॥ वे राहिलो ॥ ३ ॥ यदिवाच भारल वारू ॥ आं

॥ गी प्रेमाच फेंपरू ॥ गुरु गुरु करी वेडे चा

॥ पाहा लुक्या भुंकविला ॥ ४ ॥ ७ ॥ ७१ ॥

॥ दृढा मुरे लीसि पाऊन ... निकही ॥ ज्ञानभंडारीचि ...

॥ पद ॥ ... ॥ स्वनिर्मळवारी ॥ ४ ॥

॥ मल्हारीची वा[...] मल्हारीची वारी

॥ ध्रु ॥ अहं वाघ[...] ॥ प्रेमनगरा वारी ॥

॥ सावध हो निभ[...]गा ॥ देवकराके वारी

॥ १ ॥ अंतःकरण[...] जीवी पोलिनका

॥ करु खोरी ॥ बुधीबोध दिवटि ॥ उजळामा

॥ हाद्धारी ॥ २ ॥ आत्मनिवेदन भरीत रोडगा ॥

॥ नवेद्य हा अरु वारी ॥ केसरी सउरु खंडेरा

॥ या ॥ सीवद्दिन कुंवारी ॥ ३ ॥ ७ ॥ ७१ ॥ ७१ ॥

॥ पद ॥

॥ निवांत गुरु र्‍हहिरा हिनमी ॥ मुर्ति तयाचि

॥ पाहिनमी ॥ ध्रु ॥ तनमन धन पदि काहिन

उदासाच्या आर्मी

२९

गागाभट

२९/२

Joint Project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

॥मी॥ धनिवरा न जसुखला हि नम ... ष्टी॥ गुरु
॥च्या अंगणी खेळन मी॥ याच्या अंकी लोळन मी (2)
॥मी॥ अद्वयगोष्टी बोलन मी॥ बोलहि ...सुन
॥ बोलन मी॥ ७॥ कळीकाळाले चकविण मी॥
॥जन्ममरण हे चुकविन मी॥ षडवैऱ्यातें सक
॥विन मी॥ भवकोडे हे उगविण मी॥ ३॥ प्र
॥साद गुरुचा घेईन मी॥ ... दिल्हि नहो
॥ईन मी॥ मीपण वि... विन मी॥ कोकिळ
॥स्वामी होईन मी ... ॥ ७॥ ॥ ७॥

॥प...

॥याघन निळा ... रूपी वळा॥ ध्रु॥
॥अनंतनाम ज्याला॥ राधा ह्मणति भला॥
॥षाहु चला या गोपाळा॥ १॥ अंगी चंदनाचि
उटी॥ तुळसीच्या माळा कंठी॥ धरीला मुगु
टि शिव भोळा॥ २॥ सर्व सोडुनि लाज॥
करी ते भक्ताचे काज॥ चतुर्भुज लोसावळा॥ ३॥
सद्गुरायाचि जात्ति भेटि॥ शंकर दास सांगे गो॥

" Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

॥ श्री ॥ छ ॥ कृपा मोरि त्या दयाळा ॥ ७ ॥ छ ॥ ७ ॥ (३)

॥ पद ॥

॥ द्वैतके दरामा दरामा ॥ वारुनिवि घ्नवि
॥ रामा ॥ ध्रु ॥ चिंता काहि न सावि ॥ भज्जनि
॥ निश्चळ
॥ व्यक्त असावि ॥ १ ॥ न वेबोध भजन घडा
॥ वे ॥ भावार्थाचे प्रेम जडावे ॥ २ ॥ उन्मनि
॥ सहज समाधी ॥ विवेक विचार अनेक बु
॥ धी ॥ ३ ॥ विषई ... उ वाटे ॥ अर्थि
॥ आवड तु सी ... ॥ केशरीनाथ
॥ समार्थी ॥ सीव ... विसकक हिअ
॥ र्थी ॥ द्वैतके द ... ॥ ४ ॥ ७ ॥ ७ ॥

॥ पद ॥

॥ आता मिना हि मिना हि ॥ नरहरी वाचु
॥ नि काहि ॥ ध्रु ॥ अनुभव पाउल वाटे ॥
॥ जिविचा जिवन नरहरी भेटे ॥ १ ॥ विस
॥ रुनि साधन क्षुद्र ॥ त्यात्को सबाहे नर
॥ हरी मुद्रा ॥ २ ॥ विकल्प अवघा सरला ॥

"Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai."

(५)

॥ दोन्हीजेळा नरहरी भरला ॥ ४ ॥ सचित्त

॥ धनरुपसारा ॥ नरहरीवाचुनि कायपसा

॥ सीवदिन मीपन गेलो केशर गुरु न नरहरि केला ॥ ५ ॥

॥ रा ॥ ७ ॥ ~~केशासिं नरहरी स्वामि ॥ सीवदि~~

॥ ~~अवघा अंतर्यामी~~ ॥ ५ ॥ छ ॥ छ ॥ छ ॥

॥ पद ॥

॥ हरी ध्यारे हरी ध्याई रामकृष्ण सखा करी स्मरण

॥ बापा ॥ ६ ॥ [illegible]जे [illegible] तन मसे ॥ सत्य अ

॥ से परब्रह्म ॥ [illegible] जळ न मळेन ॥

॥ तेथे साधुचे ति[illegible] ॥ १ ॥ जाईं पृथ्वी

॥ जाईल आप[illegible] वेहि तेज ॥ जाईल

॥ वायु गगन विलया ॥ काय राहिल आप रु

॥ प ॥ २ ॥ तुकाल रला नामा तरला ॥ तरला

॥ गोरा भक्त ॥ चोखामेळा माहार तरला ॥ पी

॥ सा बेरा विरक्त ॥ ३ ॥ जुन्हई कबिर रोहि

॥ दास तरला ॥ तरला धना जाट ॥ केशरी

॥ रुपे सिवदिन तरला ॥ काय करील ये

॥ म स्पाट ॥ ४ ॥ छ ॥ छ ॥ छ ॥ छ ॥

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(5) ॥धावा॥

॥धावरे राम राया॥ किति अंत पाहासी॥ प्रा
॥णांत मांडिलें की॥ नये करुणा केसी॥ ध्रु०॥
॥पाहेन धनि वरी॥ चरणी साडि न केरि॥ न
॥ये नसिनलें बा॥ आता केधवा यसि॥ १॥ मि
॥पन अहंकार आंगी भरलाताया॥ विषय कर्दमा
॥ते॥ लाज नाहि लोकला॥ चिळस उपजलि
॥असेल्या लेबाला [illegible] चारलिस कंद भागी
॥सिध्र बेसे निर [illegible] वे घेराजाद्छपा
॥अवराद यावे॥ [illegible] अहस्त मासेसी
॥रिटिबावे॥ २॥ ये [illegible] मदास॥ थोरपा
॥बतावेथा॥ कोण कृपा हतोसी॥ काय जान
॥किन्या कोता॥ दयाळ दिनबंधु भक्तवत्स
॥का आता॥ ३॥ छ॥ छ॥ छ॥

॥अभंग

॥आधी मन आवरी हे अनिवार॥ ध्रु०॥ दंड कुमंड
॥ल्या घेक सन॥ मुंडन हा अविचार॥ १॥ काय
॥करालते विभुति लेपन॥ शिष्य कुळे अनिवार॥ २॥
॥आनंदात्मज गभस्ति नामे॥ होइल जगदा

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Prathisthan, Mumbai.

॥धा॥रा॥३॥ ७१॥ ७१॥ ७१॥ ७१॥ ७१॥

॥पद॥ (६)

॥ रामहो मासे जिविचे जिवन ॥ पा ॥ हा नाम न हे जाले से उन्म
॥ न ॥ ध्रु ॥ साधन का हि नेण मिं अबला ॥ श्याम बीज बैसत्ति
॥ से जे वेळा ॥ लोपल्या चंद्र सुर्याच्या वो कळा ॥ तो राम माझ्या
॥ जिविचा जिव्हाळा ॥१॥ प्रकाश वो दाटला हा हि दिशा ॥ पुढे मा
॥ र्ग न दिसे आकाश ॥ खुंटलि ग निश्वासा वो उस्वासा ॥ तो रा
॥ म मज पावेल वो कैसा ॥२॥ या सिसाच परिसा वो कारण ॥ ये
॥ का जनार्दनी वो शरण ॥ [illegible] नरि हा ये परिपुर्ण ॥ तरि
॥ च साध्य साधेल [illegible] ॥३॥ ७१॥ ७१॥

[illegible] ॥

॥ वीमोलाव सेवी [illegible] र ॥ [illegible] आयमी [illegible] रु ॥ आई ॥ ध्रु ॥
॥ आटक पदा दे ऊ नीस्या [illegible] राजनीता [illegible] रु ॥ आई ॥१॥ आ
॥ ग्नीत जाळी ता [illegible] कता रि [illegible] वत्सा रखी जो ह रु ॥ आई ॥२॥
॥ रा [illegible] सी चीर स्तंभ [illegible] वीया माहेरु ॥ आई ॥३॥
॥ प्रल्हादाच्या भक्तीसाठी ॥ स्तं [illegible] वर आवतारु ॥ आई ॥४॥
॥ बदरि फळे खादली शबरीचे ॥ आवजी नीरतरु ॥ आई ॥५॥
॥ ऐसे अभक्ता भक्त रक्षीत्ला ॥ की ती व र्णु पामरु ॥ आई ॥६॥
॥ रामदास की ध्यास नीनामी ॥ नीसी दीनी कीर्तन करु ॥ आई ॥७॥

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(७) ॥श्रीराम॥

॥रामसीता छूसराधा विठ्ठलरखु माई॥ध्रु॥ गोपीजन
॥मनमोहन व्यापक हरि सर्वां ठाई॥ध्रु॥ मिळुनि गोपि
॥कासकळ हि ह्मणती यशोदे बाई॥ बहुत रातली॥
॥फार मातली तुझि हे कान्हाई॥ बहुत प्रकारे छळि
॥ले आह्मा करुनि लंडाई॥ कितिगा सांगावी याची
॥थोरी करितां पुंडाई॥ रामसीता॥१॥ वधुनि ताटि
॥का मुक्ति सिने ली [illegible] नाई॥ भाविक राजा॥
॥रामपोटीं नाहीं [illegible] मित्र यज्ञ रक्षुनि
॥जाला धन्याई [illegible] सीरक्षुनी हरि योगी
॥थोराई॥ राम॥ [illegible] स्वयंवर रकायासी॥
॥करुनि लढाई॥ श्रीमकरसुत मत्त जाली बहुत
॥रचि बडाई॥ हरिली तुळ्ळावरिली जे पेंचुंद्रवे॥
॥ळराही॥ षण्मासाची रात्र केली पुरविली द्वाही॥
॥राम॥३॥ आधीं मुक्ति सनेली सैनेली सखी मावे॥
॥सी पुतनाई॥ खेळी विनोद भावजना दावी गुणाई॥
॥नावनौका देउनि श्रीहरि जाला उतराई॥ मगदूर॥

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

॥ बारीं फुडी तें हातां करितां वुचराई ॥ राम० ॥४॥

(४)

॥ धन्य ऐसी मूर्ति पंढरपुरीं स्थिर विराई ॥ रामानंद ॥

॥ च्यारी मुक्ती मेवा मिराई ॥ अमृत कीर्तन भावें कु

॥ रितां भीभीवें कुरितां पांडुरंग पाई ॥ ब्रह्मगिरी नीति

॥ बकू राजा जाला वरदाई ॥ रामसिता० ॥५॥ ॥६॥

॥ श्रीराम ॥

॥ तुझें पद दाखवी ... दाखवी घनश्याम ॥

॥ पुर्ण कामा ॥ पाय ... आकाशपा

॥ ताळ चळे पुरी ॥ ... रूप नामा ॥ तु० ॥१॥

॥ येवकू बाप यवकू वच ... ॥ यवकू ॥ तुळथानेसे

॥ दुलिने मा ॥ तु ... ना रामात्मज लक्ष्मणसे

॥ तुज वांचुनि कोण आल्या ॥ तुझें पद० ॥२॥ ॥१॥

॥ श्रीराम ॥

॥ रूपावरि सडकरी हरी तूं ॥ ध्रु० ॥ तुसी रूपा हो

॥ तां गोविंदा ॥ पंगु लंघी गिरी ॥ हरी तू० ॥१॥

॥ अंधा लागी सर्व हि दीसे ॥ मुके निगम उच्चारी

॥ हरी तूं० ॥२॥ ॥ जिववींद सुत म्हणे दीना लागीं

Joint project of The Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

(१)

॥तारिंसिवसागरी॥ हरितळपा॥ध्रु॥

॥श्रीराम॥

४८

॥जयजयहनुमंता हनुमंता सद्गुरु श्रीरामभक्ता॥

॥त्रीभुवनीच्या मुक्तसुत्रा॥ प्रतापरुद्रा पुन्यपवीत्रा॥

॥जया॥१॥ जानकीस्थानक केले चिकेली शुध्य अस

॥बळेची॥ज॥२॥ जीवन लक्षुमनाचा॥ उन्म

॥निकरिता [illegible] मनाचा॥३॥ वर्जागंन कासो

॥टिअखंड [illegible]॥४॥ करि रीगुरु

॥उद्बोधी भावे [illegible] तुजला वंदि जयज

॥हनुमंता॥५॥ छ॥ छ॥

॥उदकायनि जला सि [illegible] जागरे बापा दुरपथ

॥कणे गामार्ग पाव सिसोपा॥ध्रु॥ वाटवेळ निज

॥ला सि जागजागरे बापा॥ निजतानीज गेलि म

॥आस्ता समयो जाला॥१॥ घोरच घोरघोर अंध

॥भाव मानसि रिघसाचि राच केलि तेपा डि ये

॥ले फासि॥२॥ सज्जनसंगतिचा सजा गुनी

॥जाला वासना तेथे होतीथोर अनंद जाला॥३॥

छ॥

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

(१०) १४

॥पद॥

चा

॥लंबोदरा सुंदरा॥ चारी सीधेउभेउ दिरा रे॥ध्रु

॥पूर्णमोदक गोड बरा रे॥ सीधीभावे सीधीला

॥उकरा रे॥ सीधीचे सीधांत वर्णिति वेदांत॥

॥वेदन वेद्यपरात्पर रे॥१॥ बर्पीळकोण पीतां

॥बरा रे॥ सगुण गुण रूप गंभीरा रे॥ सीदुरा

॥चिउटि बोध रूपी [illegible] फरशां कुशाकरी अ

॥जरामरा रे॥ २ [illegible] करीं ऊं बरा रे॥ तैसा

॥तुमचा वृत्तिय [illegible] वीघ्नविनायक मंग

॥ळदायक॥ सीधी [illegible] आतुप्रिय बरा रे॥३॥

॥गाईल नारद तुंबर रे॥ ना[illegible] सुखदायक गंभी

॥रा रे॥ प्रलापके चारी कोणकरी सरी॥ शिविद

॥न जीवन अंतरा रे॥४॥४॥४॥४॥

॥पद॥

॥यक भावच्चि कारण रामी॥ अहो रामी॥ध्रु

॥रामशब्द सुखधाम अखंडित॥ देतो या मावन

॥नामी॥१॥ नामकथा म्हंलीबुउ सी आवडी॥ मु

॥क्त सदा रलधामि॥२॥ सच्चित्सुखपद नाम

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(१)

॥ हे अद्वय ॥ तो गुरु गोपाळ स्वामि ॥ ३ ॥ ७ ॥ ७ ॥

॥ पद ॥

॥ रमा रमण पदि रमा रे रमा रे ॥ ध्रु ॥ आशा वीषय
॥ बहु अतिशय न करी ॥ पीशाच वचन तुम्ही भ्रम
॥ भ्रमा रे ॥ १ ॥ उदकी मिश्र विरे तुरे मधुरता ॥ तैशा
॥ स्वपरी तुम्ही निमग्न निमा रे ॥ २ ॥ शीवरामात्मज प्र
॥ भु पंढरीनायक ॥ दक्षणि वाहे भीमा भीमा रे ॥ ३ ॥

॥ पद ॥ [illegible] गुनि गते लयकि ॥

॥ अवघे सीव [illegible] पयकी ॥ ध्रु ॥ शिव
॥ शिवपण [illegible] दाने दिभर [illegible] ॥ १ ॥
॥ सबाह्य [illegible] खुण [illegible] सि प्रकयी उदकस
॥ मुद्रा ॥ २ ॥ शिव [illegible] नमनो ॥ केशरी गु
॥ रुसी शरण जातो ॥ ३ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥

॥ पद ॥

॥ स्वामी मार्तंडा मार्तंडा ॥ अनताप रुद्र प्रचंडा ॥ ध्रु ॥
॥ पुर्ण रुपे चि वारी ॥ दुई जन्म मरण भय वारी ॥ १ ॥
॥ नवसम मनाचा पुर्वि ॥ मासे मि पण हे मुरवी ॥ २ ॥
॥ वहिन तव भंडारी ॥ मळ्हत्याकरी मुक्ति सिभारी
द्वैत भ्रांति चा नवरा ॥ तुळ हरी उन्मनि दाळी चवरा ॥ ३ ॥
॥ रा सिच दिन सुवर्ण वर्णी ॥ केशरी स्व गुरु सपुर्णी
रुप

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

(१२)

॥पद॥

॥केवळश्रीहरी॥ आम्हितुझेदास॥ध्रु०॥ मम्भका
॥मद्भात्तिविश्वास॥ आटउया बिरुदास॥१॥ गां
॥ज्जिति दुर्जन वर्जिस नानारीति॥ बोलतुस्या बिरु
॥दास॥२॥ उधयचि धन उधरीलेकसे॥
॥धावुनिया हरिदास॥३॥ ध्रु०॥ ध्रु०॥ ध्रु०॥

॥[illegible]

॥मुरलीवाजविते [illegible] ॥ध्रु०॥ कुंजवनीध
॥नीमंजुळ हेकुनि [illegible] तेहृदपाळ॥१॥
॥रुंजवीलया ब्रजजनस [illegible] वहि सकळचरआ
॥पिव्याळ॥२॥ [illegible] नी ध्यानितपरु
॥जपतसे सर्वहिकाळ मुरलीवाज॥३॥ ध्रु०॥ ध्रु०॥

॥पद॥

॥हाविपदमन जगोरसचोरारे॥ ध्रु०॥ कमळविलोच
॥न कमनियरुपा॥ कुंडलमणीमयहारारे॥१॥ राधा
॥रंगणी रुपविहारा॥ कीर्तिधीर धरुदिनोधारारे॥२॥
॥केशवसुतप्रभुप [illegible] जजनका॥ स्मरहरप्रीय
॥मुरहारारे॥३॥ ध्रु०॥ ध्रु०॥ ध्रु०॥ ध्रु०॥

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(13) ॥पद॥

॥श्रीपांडुरंगाराजिवनेत्रारे॥राजिवनेत्रारे॥ध्रु॥
॥चरणकमळअतिविमळनिरुपम॥रुपनिरामयनि
॥र्विकारसम॥अजितअव्यया॥जितभवभयभ्रम॥
॥पुंडलीकवरदाभवभंगा॥१॥समपदिकटिकररु
॥क्मांबरधर॥तुळसीमाळवपुविलसतसुंदरा॥
॥नवघनकांतिमदनमनोहर॥सर्वसाक्षिसर्वेश्वर
॥ईश्वर॥तवचरणोदकगौतमगंगा॥२॥अंनंदस
॥दनमुकुंदनयननेव॥[illegible]नमुखचंद्रविराजि
॥त॥मंदहास्यगो[illegible]॥पद्मनाभमदसू
॥दनकेशव॥[illegible]सुंदस[illegible]ळाभंगा॥३॥ध्रु॥६॥
॥[illegible]

॥अभंग॥चित्तचैतन्यपडकरी॥मगदुभतेस
॥दाघरी॥१॥पंढरीगायहदुभाळु॥प्रेमपान्हाहळु
॥हळु॥२॥घातलाभावाचेमेळवण॥तेणेवोळविले
॥जाण॥३॥भक्तिभोहराबाळुनिवोजे॥स्वानंदभर
॥णादोनिसांजे॥४॥दुहितामनबुधीविरोनिगेलि
॥यकाजनार्दनितन्मयजालि॥५॥२०॥२०॥६॥

॥पद॥

॥गुरुकृपाजनपायाभाई॥ध्रु॥रामबिनाकछु

" Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

(15)

।।सुजलनाहि।।ध्रु।। जंगलरामसोवलराममेंसप

।।नमोदेखोराम हिराम।।१।। बाहेररामभीतररराम।।

।।जिलदेखेउनेरामहिराम।।२।। येकोजनार्दनभा

।।वेनिको।।जीनदेखेउनेरामसरीखे।।३।।छ।।छ।।

।।पद५।।

।।नंदानंदामोहेप्याराघ्छगोविंदा।।ध्रु।। मुरलि

।।वालाव बासींदा।।राधापतिवृंदावनचंदा।।१।।

राखोसोदेवका बाजिंदा।।

।।सरचेनाचेसर्जी [illegible] नालनेसोमलपुल

भवसेपार [illegible]

।।मुकुंदा।।जो हरि [illegible] सुरकंदा।।दावे

।।बाधे होवे गोपीन [illegible] दा।।२।। योहि कोंस

।।करेथानिंदा।। से [illegible] लपछागरवंदा।।मारे

।।अकबककेसीरकेरा।।नाथेकालीयनागसब

।।नागनमेरींदा।।३।। ब्राह्मणसाधुसंतकाबंदा।।

।।चरनकमलपरमगनबुलंदा।।छोडदियासब

।।घरकाधंदा।।कीरतलगावेनिसीदिनध्यावे।।

।।अंमलरावनवसीदा।।४।।छ।।छ।।छ।।छ।।

।।पद।।

।।रामायरामरायाये।।ध्रु।। तालधरु कथा करु

।।लुस्यानामे हाकामारु।।१।। दिंडीफीरु वेशधरु

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

॥मुक्तिनकोभक्तिवरु॥ श्रीरामदासपाहेवासभे
॥टिदेईसावकारा॥३॥

॥पद॥

॥आलिआलिहो [illegible] माउलि॥ध्रु॥ जे हे पर
॥ब्रह्ममुर्तिसावळी॥ जीच्यागर्जेतिश्रुतिब्रिदाव
॥ळी॥ उभीयेमुनेचेपावळी॥१॥ जेकाबळीयाम
॥ळीजेवळी॥ जीनेपाताळीघातिलाबळी॥ ते हे
॥गोकुळीगोधनेवळी॥२॥ जे हे विद्वज्जनमनरं
॥जनि॥ जे हे तापत्र [illegible] नि॥ जीचेवास्तव्य
॥निरंजनि॥३॥ हे [illegible] याज्ञयायनि॥ उ
॥द्धिघालत्लि [illegible] ानंदेरंगोरंगुनि॥४॥

॥प [illegible]

॥जगनाथपुरी [illegible] दिना॥ध्रु॥ अ
॥नब्रह्मदाविहरी॥ कळ्ळनेसीकरुनिदुरी॥ व
॥र्णेसकळहोतिसुफळ॥ प्रसादतोहरीशिणा॥१॥
॥सुभद्रेसहितराम दर्शनेहरीतकाम॥ नाथल
॥णुनिगर्वसज्जुनि॥ अजेटोव घेउनिविणा॥२॥
॥श्रीगुरुगोविंदजपे॥ यापुढेव्यर्थतपे॥ निसि
॥द्दिनिमनिध्यानधरुनि॥ छंदजनसाआपमि
॥ना॥३॥

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(16)

॥पद॥

॥पांडुरंगा पाहिन तुझे पाय रे ॥ध्रु॥ माझे मन
॥तुझ्याचरणि जडले ॥ जनासि सांगु काय
॥काय काय काय रे ॥१॥ वाळवंटि कित्तेनि ना
॥चे ॥ जोडुनिया सम पाय पाय पाय रे ॥२॥
॥भक्ता साठि लोजग जेठि ॥ धाउनिया लव
॥लाहे लाहे लाहि ॥३॥ बाळक दासा लगोलि
॥गोडि ॥ माहा ... हे राहे ॥४॥

॥विठ्ठल रखुमाई ... मुनि ॥ध्रु॥ कर
॥कट्यावरि चरण वि... उनिया राहिलि ॥१॥
॥अवतार गोकु... साकळी ॥ भीमात
॥टि पाहिलि ॥२॥ ... धरसुत प्रभु ॥ भावे भ
॥जना ॥ सिव होउनि राहिलि ॥३॥ ॥७॥ २७५

॥पद॥

॥सदानंद हृदानंद चिदानंद नमो ॥ध्रु॥ त्रीभुवनपति
॥सुंदरा ॥ निजरूप गुणमंदिरा ॥ अंकुर चीर इंदिरा ॥
॥चरसि चरणचितरमो ॥१॥ दिनकर कुळ मंडणा ॥
॥सुखवर रिपु दंडणा ॥ चंड दुरित खंडणा ॥ परम
॥पुरष ध्यानगमो ॥२॥ दशरथ नंदपनंदना ॥ मुनि

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

॥जन भाक्तिनवंदना॥ अंम्रतच्यारेलचंदना॥
॥सकळविषयश्लोकसमो॥ २॥ (८२)

॥पद॥

॥कानडपानेमासीधरलिवाट॥ ध्रु॥ जालमिहो
॥नेयेमुनेपाण्या॥ रोकुनिउभाव्यवघडघाट॥ १॥
॥दहिदुधलोनि॥ लावितोवदनी॥ हरी हा ऐसा
॥कैसोबाट॥ २॥ निरंजनप्रभुअंतरसुत्रि॥ घड
॥ज्ञानंदिबाधुनिगा[illegible]॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥

[illegible] ॥

॥तुजविणराभार[illegible] कोणभार॥ ध्रु॥ मि
॥बुडलोभवसाग[illegible] करीकभवपार॥
॥१॥ मदकच[illegible]करु[illegible]॥ कोप धरीत्ऽव
[illegible] तिला॥ यरी॥ कोणी
॥तार॥ २॥ माई[illegible]
[illegible] ॥ ३॥ अनंतम्हणेतुसेनाम
॥चनाहिआधार॥ ३॥ ३॥
॥मिजाणे॥ आणिकनाहिसार॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥

॥पद॥

॥कमलनयनघनशामतनुवो॥ ध्रु॥ चंद्राननरघु
॥राजविराजे॥ हस्तकिकंचनबानधनुवो॥ १॥ सुंद
॥रनासिकबिंबसुदाधर॥ कुंदरदनुअतिरम्यहनु
॥वो॥ २॥ अनंतप्रभुदशरथकुळमंडण॥ जन्ममुनि

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(१४)

मभुषविश्नुपमनुवे॥३॥ ७॥ ७॥ ७॥ ७॥

॥पद॥

॥ चिंतन लाउं केनर हरीचा॥ आताकोण लिहि

॥ बोलसा॥ ध्रु॥ तुह्मि सिकवा तेमल दावे॥ हरी

॥ गुण घ्या सिघ्र उठावे॥ १॥ गुरुसुराचा देव॥

॥ ज्याचे स्मरणें लिये चिपाव ॥ तणे उधव

॥ चि धन चिंता॥ आ ॥ हरी तुह्मि भावचिंता

॥ ७॥

॥ यकभाव चेकारण रा ॥ ॥ मशब्द सुख

॥ धाम अखंडि ना देताया ॥ १॥ नमकथा रतीबू

॥ ऊसि आवडि॥ मुकुस ॥ २॥ ते चि सुख पदना

॥ महे अद्वय॥ ते गुरू ॥ ३॥ यकभावचि॥ २ राम

॥ तुनीभुच्चिन्हा

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(१९) ॥श्री॥

॥मातःशैलसुतासपत्निवसुधाशृंगारहारावली॥स्वर्गारो
॥हणवैजयंतिभवतीभागीरथींप्रार्थयेत्॥त्वत्तीरेवसतस्त्वदं
॥बुपिबतस्त्वद्वीचिषुप्रेंखतस्त्वन्नामस्मरतस्त्वदर्पितदृशःस्यान्मे
॥शरीरव्ययः॥१॥त्वत्तीरेतरुकोटरांतरगतोगंगेविहंगोवरं॥त्व
॥न्नीरेनरकांतकारिणिवरंमछोथवाकछपा॥नैवान्यत्र
॥मदांधसिंदुरघटासंघट्टघंटारणंकारत्रस्तसमस्तवैरिव
॥नितालब्धस्तुतिर्भूपतिः॥२॥ [illegible] क्षःपक्षीत्तुरगउरगः
॥कोपिवावारणोवा॥ [illegible] ननमरणंक्लेशदुःखा
॥सहिष्णुः॥नत्वन्यत्र [illegible] किंकिणीक्वाणमित्रं
॥वारस्त्रीभिश्चमरुमरु [illegible] तोभूमिपालः॥३॥काकै
॥र्निष्कुषितंश्वभिःक [illegible] मायुभिर्लुंठितंस्रोतोभि
॥श्चलितंतटांबुलुलितंवीचीभिरांदोलितं॥दिव्यस्त्री
॥करचारुचामरमरुत्संवीज्यमानःकदाद्रक्ष्येहंपरमेश्वरी
॥त्रिपथगेभागीरथीस्वंवपुः॥४॥अभिनवबिसवल्लीपा
॥दपद्मस्यविष्णो॥मदनमथनमौलेर्मालतीपुष्पमा
॥ला॥जयतिजयपताकाकाप्यसौमोक्षलक्ष्मा॥क्षपि
॥तकलिकलंकाजान्हवीनःपुनातु॥५॥एतत्तालतमा
॥लसालसरलव्यालोलवल्लीलता॥छिन्नंसूर्यक

मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com